>

Title : Need to provide jobs to non-permanent employees of State Bank of Indore rendered jobless due to its merger with the State Bank of India.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर): स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर का विलय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में हो जाने से स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर के अस्थाई कर्मचारी, जो कि विगत 10-15 वर्षों से अस्थाई (व्हाक्चर पेमेंट) रूप से अपनी सेवायें दे रहे हैं, उनका भविष्य अधर में हो जायेगा। इन अस्थाई कर्मचारियों में 330 कर्मचारी 10 और 15 साल एवं कुछ कर्मचारी तो 25 वर्षों से अपनी सेवा प्रदान कर चुके हैं। स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर का विलय होने के पूर्व इन कर्मचारियों को कहा गया था कि इनकी सेवाएं यथावत जारी रहेंगी। परन्तु, इसके विपरीत बैंक द्वारा कर्मचारियों की सेवाएं बंद कर दी गई हैं। इतने साल बैंक में अपनी सेवाएं देने के बाद इन कर्मचारियों के साथ ऐसा व्यवहार न्यायोचित नहीं है। रोजगार बंद होने से कर्मचारियों के परिवार का पालन पोषण भी बंद होने के कगार पर है। बैंक का विलय होने के पूर्व इन कर्मचारियों को कहा गया था कि बैंक में नई भर्ती के समय उन्हें प्राथमिकता दी जायेगी परन्तु उस पर भी गंभीरता से कोई विचार नहीं किया गया है। मेरा सरकार से निवेदन है कि मानवीय दृष्टिकोण को साथ रखते हुए उपरोक्त विषय में वांछित कार्रवाई कर वर्षों से बैंक के लिए कार्य कर रहे कर्मचारियों को नई भर्ती के समय प्राथमिकता देकर पुनः उनकी सेवाएं उन्हें प्रदान कर, उन्हें स्थायी करें ताकि उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित रह सके।